श्रीमती सुषमा स्वराज : और इस मुहिम में आठ सौ से ज्यादा लोग बेघर हो गये हैं। मकानों को गिराने से पहले लोगों ने निगम के अधिकारियों को वहां बने मकानों के बारे में लाल डोरा प्रमाण-पत्र, बिजली के बिल और पानी के बिल भी दिखाए और वे साबित करना चाहते थे कि ये मकान उनके हैं। निगम वहां तोड़-फोड़ नहीं कर सकता। लेकिन वहां पर दिए गए कोर्ट के स्टे ... **(व्यवधान)** की भी अनदेखी की गई और निगम के अधिकारियों ने कहा... **(व्यवधान)**

उपसभापति : आई एम नाट परमिटिंग यू टू... **(व्यवधान)** न्यूज-पेपर मत पढ़िए।

श्रीमती सुषमा स्वराज : यह आदेश हमें प्रधान मंत्री दफ्तर से दिया गया है, इसलिए वे विवश हैं।

श्री वीरेन जे. शाह : न्यूज पेपर से ... **(व्यवधान)** बात आई..... **(व्यवधान)**

उपसभापति : वह हरियाणा से आती हैं, अपनी आंखों देखा बता सकती हैं। न्यूज पेपर से क्यों दे रही हैं? ... **(व्यवधान)** अगर ऐसा हुआ है तो उन्हें दिखाया होगा, नहीं तो... **(व्यवधान)**

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, केवल इसलिए कि प्रधान मंत्री का काफिला फरीदाबाद से दनदनाता हुआ सूरज कुंड पहुंच जाए और उसकी... **(व्यवधान)** गति में किसी तरह की कमी न आए ... **(व्यवधान)** लोगों को उजाड़ा गया है। आपके माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि... **(व्यवधान)**

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): Madam, it is absolutely wrong because the Prime Minister is going by helicopter. (*Interruptions*) She is making absolutely false allegations. (*Interruptions*) The Prime Minister is going by helocopter. This is not true. (*Interruptions* Mr. Jain planted this story.

श्री कैलाश नारायण सारंग : (मध्य प्रदेश) : आप किस राजा-महाराजा से कम हैं। ... **(व्यवधान)**

उपसभापति : आप बैठिए।

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं कहना चाहती हूं कि उन ध्वस्त हुए मकानों को... **(व्यवधान)**

उपसभापति : प्लीज बैठ जाइये। प्लीज टेक यूअर सीट नाउ। ... **(व्यवधान)** बस।

श्रीमती सुषमा स्वराज : लोगों को उजाड़ दिया आपने। ... **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. I am not allowing anything any more. I am not permitting. Please take your seat. I don't like this. (*Interruptions*).

RE. DEMAND FOR DISCUSSION ON THE OBSERVATIONS OF VERMA COMMISSION PROLONG INTO RAJIV GANDHI ASSASSINATION CASE

श्री सुरेश पचौरी : (मध्य प्रदेश) : मैडम, मैं आज बहुत गंभीर मामला उठाना चाहता हूं। ... **(व्यवधान)** मैडम, सी.आई.ए. और एफ.बी.आई. के पूर्व निर्देशक विलियम डब्ल्यू. बेक्स्टर ने रहस्योद्घाटन किया है कि कुछ वर्ष पूर्व जब भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी की अमरीका यात्रा हुई थी तो उस यात्रा के दौरान उनकी हत्या की साजिश की गई थी और एफ.बी.आई. ने इसे नाकामयाब किया था। श्री बैक्स्टर ने यह भी बताया कि यह साजिश उन्हें कब पता लगी। इस साजिश में कौन-कौन से लोग शुमार थे। कौन कौन आतंकवादी गुट के लोग थे। कौन कौन उससे संबद्ध थे। लेकिन उन्होंने

यह जरूर कहा कि राजीव गांधी की हत्या में हमेशा विदेशी ताकतों की दिलचस्पी रही है। जब भी राजीव गांधी की हत्या का जिक्र इस सदन में या बाहर आया है तो हमेशा यह कहा गया है कि क्योंकि उनकी हत्या में विदेशी ताकतों का हाथ है इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि यह सरकार श्री बैक्स्टर से संपर्क साध कर यह पूछे कि उनको उस समय वह कौन सी जानकारी मिली थी जिसके आधार पर वह इस नतीजे पर पहुंचे। तथा उनके निष्कर्ष के आधार पर कौन-कौन से आतंकवादी गुट उनकी हत्या की साजिश कर रहे थे। महोदया, इससे आगे बढ़ कर मैं यह एक बात और कहना चाहूंगा कि राजीव गांधी की हत्या के संबंध में जो वर्मा कमीशन बना था उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत हो गई है और दुर्भाग्य जनक है यह बात कि वर्मा कमीशन की रिपोर्ट पर सदन में आज तक चर्चा नहीं हुई है। मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहूंगा कि राजीव जी की हत्या के संबंध वर्मा कमीशन की रिपोर्ट का जो आब्जर्वेशन है उस पर इस सदन में चर्चा होनी चाहिए।

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI (Gujarat): Madam, I totally support Mr. Pachouri. (*Interruptions*) Why has the Government not accepted the report? (*Interruptions*) There should be a special discussion in the House about it. (*Interruptions*)

DR. JINENDRA KUMAR JAIN (Madhya Pradesh): Madam, there should be a special discussion about this in the House.

श्री ए. एस. अहलुवालिया : (बिहार) महोदया, श्री सुरेश पचौरी जी ने जो आवाज उठाई है उसके साथ मैं पूरा अपना समर्थन करते हुए मांग करता हूं कि जैन कमीशन जो कि राजीव गांधी की हत्या में विदेशी ताकतों के षडयंत्र के बारे में खोज-बीन कर रहा है, उसको एक्सटेंशन दी गई है, जैन कमीशन को यह रिपोर्ट फार्वर्ड की जाए और जैन कमीशन के माध्यम से इस एफ.बी.आई. और सी.आई.ए. के जो आफिसर्ज हैं इनके साथ पूरी इन्फमेशन ली जाए। जैन कमीशन इन पर पूरा विचार करे और सरकार हमें एश्योरेंस दे कि जैन कमीशन इनको बुलाकर इनकी भी इनवेस्टीगेशन में मदद लेगा। दूसरे, वर्मा कमीशन की जो रिपोर्ट आई है, उस पर इस सदन में चर्चा होनी चाहिए।

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI : Madam, I want to know whether the Report has been accepted by the Government or not. Mrs. Alva is sitting here. She can react to it, whether the Verma Commission Report has been accepted by he Government or not. It is a very simple query.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONAL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI MARGARET ALVA): Madam, I would like to say that for a discussion on it we have absolutely no problem at all, but I don't know whether all the recommendations have been accepted or all the findings have been accepted; because they have been listed; I shall certainly come back and say. Not all of them—I don't think—have been listed because there are various sections. I would not be able to... (*Interruptions*)...

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): Madam, we want to know... (*Interruption*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Morarka, let her finish please.

SHRIMATI MARGARET ALVA: I am saying recommendations have been listed they have been studied I would not like to say which of them have been accepted and which have not been accepted, but we can certainly

come back to the House. The recommendations and the action taken may be placed on the Table of House. Apart from the record of the House, they are there, but I shall certainly see which of them have been accepted, which of them are under consideration.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You see...(*Interruptions*)...Order.

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN (Tamil Nadu): Madam, one point only. The Verma Commission Report has been placed on the Table of the House but we have not got a copy of it. We have applied for it but nobody has responded to that. I am very sorry...

THE DEPUTY CHAIRMAN: But the copies are supplied. Only then the House will...(*Interruptions*)...

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: Please supply us a copy.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will find out...

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: This is a most important thing.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will find out. I know that it was tabled... (*Interruptions*) Now everybody, all the Members, should get it. All right. It is a very serious matter. Rajiv Gandhi's assassination and also what is happening in the country today, all these bomb blasts in various part's of the country there could be a possibility that there is some nexus among them and to find out what the truth is the Government should take necessary action. Now, that is all...(*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam, I want to speak on another issue.

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Madam, I want to know...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Other issues are there. Once my observation is made, please take your seat...(*Interruption*)... Not on this ... (Interruption) ...Not on this. Not this...(*Interruption*)...Not on this issue. It is one and the same thing.

SHRI SUKOMAL SEN: Madam, the Home Minister should tell us whether they have contacted the U.S. Government and what the reaction of the U.S. Government is.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That will come together when the Calcutta report will be given. You can then ask the Government because there is no point in raising it now. Nobody can answe just now. Please sit down.. (*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, I want to raise another issue.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN Madam, please allow me to raise an issue.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. बैठिए

I said no. You don't disturb.

RE. MOTION OF PRIVILEGE AGAINS DOORDARSHAN

श्रीमती कमला सिन्हा : (बिहार) : मैडम, मैं प्रिविलेज का मोशन उठाना चाहती हूं। एक सदस्य होने के नाते हम लोगों के कुछ प्रिविलेजेज हैं। कल मैंने यहां एक विषय पर सदन की बैठक में भाग लिया था और रात को जब पार्लियामेंट न्यूज आ रहा थी तो उस पार्लियामेंट न्यूज में हिंदी में दो दफा मेरा नाम लिया गया। एक दफा तो